मोहे तो प्यारी लागे बरसाने की गलियां

मोहे तो प्यारी लागे बरसाने की गलियां
जग सो न्यारी हैं यह बरसाने की गलियां

रसिको की प्राण हैं यह, जीवन आधार हैं यह
राधे जु की किरपा का,
श्यामा जु की किरपा का द्वार हैं यह गलियां
मोहे तो प्यारी लागे...

बरसाने जो भी आवे, चरणों में प्रीत पावे
राधे जु की पायल की,
श्यामा जु की पायल जी झंकार हैं यह गलियां
मोहे तो प्यारी लागे...

दधिकांदो की और केसर की कीच मचे
प्रेस रास धारा की,
प्रेम रास धारा की बौछार हैं यह गलियां
मोहे तो प्यारी लागे...

राधे को नाम गावे, बंसी की तान गावे,
मीठी मीठी वीणा की,
मीठी मीठी वीणा की तान हैं यह गलियां
मोहे तो प्यारी लागे...

स्वर : गोविन्द भार्गव

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1303/title/mohe-to-pyari-laage-barsane-ki-galiyaan

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |